



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 401]
No 401]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 17, 1990/भावपत्र 26, 1912
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 17, 1990/BHADRA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचनाएं
नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1990
सं. 241/90-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 784(ग्र) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क
ग्राधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की
उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए,
अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा
करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय,
(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 306/85-सीमा
शुल्क, तारीख 1 अक्टूबर, 1985 में निम्नलिखित और संशो-
धन के स्वीकृत है प्रथम :—

उक्त प्रधिसूचना के पंरा 2 में,—

“30, सितम्बर, 1990” श्रंकों और शब्दों के स्थान पर
“31, मार्च, 1992” श्रंक और शब्द रखे जाएंगे

[फा.सं. 346/56/88-टी आर थ]

2524 GI/90

(1)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 17th September, 1990.

No. 241/90-Customs

G.S.R. 784(E).—In exercise of the powers con-
ferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs
Act, 1962 (52 of 1962), the Central Govern-
ment, being satisfied that it is necessary in the public
interest so to do, hereby makes the following
further amendment in the notification of the Government
of India in the Ministry of Finance, (Department
of Revenue) No. 306/85-Customs, dated the
1st October, 1985, namely :—

In paragraph 2 of the said notification for the
figures, letters and words “30th day of September,
1990”, the figures, letters and words “31st day of
March, 1992” shall be substituted.

[F. No. 346/56/88-TRU]

सं. 212/90-सीमाशुल्क

स.का.नि. 785 (अ) — वेदांग नियम, 1962 (1962 का 51) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग बनाने हुए अपेक्षा यह सम्भाल हो जाने पर कि लोबहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्षक में 95.08 के अंतर्गत आने वाली चक्रियों, झूलों और अन्य मेलारथल आमोदःमोदः और उनके भागों में तथा उपधाराधनों का (जिन्हें इसके पञ्चान्त उक्त माल कहा गया है), जब उनका आमोद-प्रमोद पार्क बनाने के लिए भारत में आयोजित किया जाए, तो—

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्गृहणीय सीमा शुल्क के उत्तरे भाग से जितना मूल्य वे 45 प्रतिशत की दर से संगणित रकम ने अधिक है; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्गृहणीय गम्भीर अतिरिक्त गति में;

निम्नलिखित शर्तों के अधीन इन्हें हुए छूट देती अथवा :

- (i) आयातकर्ता ऐसा भारतीय नागरिक है, जो उक्त माल की लदाई में तुरन्त पूर्व विदेश में कम में कम एक वर्ष से निवास कर रहा है;
- (ii) उक्त माल के लागत शीमा भाड़ (भी ग्राइंपर्ट) के लिए आयातकर्ता हारा विदेश में अपने निवास के दौरान अर्जित वीर्य गति मुद्रा में संदाय किया गया है।
- (iii) आयातकर्ता आयात के समय महायक कलकटर सीमाशुल्क के समक्ष अपने पासपोर्ट की फोटो काफी शीर्ष उस देश के जहां वह निवास कर रहा था, नोटरी के समक्ष निपादित किया गया इस आशय का एप्पें-प्रल क्रस्तुत करता है कि वह वहां एक वर्ष से प्राप्तिक की कालावधि से निवास कर रहा था; और
- (iv) आयातकर्ता सहायक कलकटर सीमाशुल्क का आयात के समय शीर्ष स्थान पर इस आशय का व्यवन देता है कि उक्त माल आयात किए जाने की तारीख से गांच वर्प की कालावधि तक उसके कर्जे, निपेक्षण में रहेगा शीर्ष उसका उम प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा जिसके लिए उसका आयात किया गया है शीर्ष उस विश्रीत या अलग किया जाएगा तथा उसके उद्देश का पालन न करने की वशा में वह यदि इसमें अन्तर्विष्ट छूट न होती तो ऐसे माल पर उद्गृहणीय शुल्क शैर आयात

के समय पहले ही संदर्भ किए जा चुके शुल्क के शीर्ष के अन्तर के बराबर रकम का भाग किए जाने पर संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण :—शर्त (1) के प्रयोजन के लिए उसमें विनिर्दिष्ट कालावधि के दौरान उक्त भारतीय नागरिक के कम समय के लिए भारत में आगमन पर, यदि कोई हो, ध्यान नहीं दिया जाएगा यदि ऐसे शामिल के दौरान उक्ते की अवधि तीन मास से अधिक न हो,

परन्तु उक्त भारतीय नागरिक हारा पर्याप्त हेतु वर्षित करने पर सीमाशुल्क कलकटर तीन मास से अधिक भारत में उक्ते की अवधि को माफ कर सकेगा।

[फा सं 346/101/90-टी.आर.शू.]

No. 242/90-CUSTOMS

G.S.R. 785(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Roundabouts, swings and other fairground amusements and parts and accessories thereof (hereinafter referred to as the said goods) falling under heading No. 95.08 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975), when imported into India for setting up of amusement parks, from,—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 45% ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer is an Indian citizen who has been residing abroad for a minimum period of one year immediately preceding the shipment of the said goods;
- (ii) the CIF cost of the said goods is paid for out of the foreign exchange earned by the importer during his stay abroad;
- (iii) the importer produces before the Assistant Collector of Customs at the time of importation a photocopy of his passport and a sworn affidavit executed before a Notary of the country where he was residing to the effect that he has been residing there for a period exceeding one year; and
- (iv) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time and place of importation to the effect that the said goods shall remain in his possession, control and used for the purpose for which they were imported and shall not be sold or parted with for a period of five years from the date of importation and in

the event of his failure to comply with the same, he shall pay on demand an amount equal to the difference between the duty leviable on such goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

Explanation :—For the purpose of condition (i), short visits, if any, made by the said Indian citizen to India during the period specified therein shall be ignored, if the total duration of stay of these visits did not exceed three months;

Provided that on sufficient cause being showing by the said Indian citizen, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of three months.

[F. No. 346/101/90-TRU]

ग. 243/90 सीमा शुल्क

सा.का.नि. 786 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना नं. 6/90-सीमा शुल्क, तारीख 23 जनवरी, 1990 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उपर अधिसूचना में “35 प्रतिशत” शब्दों के बाद पर “20 प्रतिशत” शब्द रखे जायेंगे।

[फा.म. 332/80/88-टी.प्रार.य.]

NO. 243/90-CUSTOMS

G.S.R. No. 786(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 6/90-Customs, dated the 23rd January, 1990, namely :—

In the said notification, for the words and figures, “35 per cent ad valorem” the words and figures “20 per cent ad valorem” shall be substituted.

[F. No. 332/80/88-TRU]

ग. 244/90—सीमा शुल्क

सा.का.नि. 787 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 321/87-सीमा शुल्क तारीख 23 जिल्हायर, 1987 का और रंजांशन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की शर्त 2 के खण्ड (ii) में “पांच लाख रुपये” शब्दों के स्थान पर “दीस लाख रुपये” शब्द रखे जायेंगे।

[फा.म. 348/31/89-टी.प्रार.य.]

NO. 244/90-CUSTOMS

G.S.R. 787(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 321/87-Customs, dated the 22nd September, 1987, namely :—

In condition 2 of the said notification, in clause (ii), for the words “five lakhs rupees” the words “twenty lakh rupees” shall be substituted.

[F. No. 348/31/89-TRU]

ग. 140/90—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 788 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 18 के अन्तर्गत आने वाले मैप्लिथो कागज और क्राफ्ट कागज को उन पर उत्प्रकाशिय मध्यम उत्पाद-शुल्क में, जो उक्त अनुसूची में विनिर्दित है, दूट देना है :

परन्तु यह तब जब कि ऐसे कागज का राष्ट्रीय दूषित विकलांग अस्थान, देहरादून द्वारा दिए गए किसी मांगपत्र के संबंध में किसी दूत मध्यान्तर ना प्रदान किया गया हो।

[ग. 354/7/90-टी.प्रार.य.]

NO. 140/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 788(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts maplitho paper and kraft paper falling within Chapter 48 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule:

Provided that such paper is supplied to a braille press against an indent placed by the National Institute for Visually Handicapped, Dehradun.

[F. No. 354/7/90-TRU]

ग. 141/90—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 789 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5

की उपयाग (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 66/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की मार्गी के त्रैम (3) में प्राविष्ट (5) के पश्चात्, निम्नान्वित प्रविष्टियों अन्वयित वीज जायेगी, अर्थात् :—

- (6) औजार कम और प्रशिक्षण केंद्र, इल्मी।
- (7) सरकारी औजार कक्ष और प्रशिक्षण केंद्र, विद्यार्थी।
- (8) प्रशिक्षण और औजार कम संवार, उत्पाद-शुल्क।”।

[फा. स. 354/84/89-टी आर. यू.]

NO. 141/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 789(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 66/90-Central Excises, dated the 20th March, 1990, namely :—

In column (3) of the Table to the said notification, after entry (v), the following entries shall be inserted, namely :—

- (vi) Tool Room and Training Centre, Delhi.
- (vii) Government Tool Room and Training Centre, Bangalore.
- (viii) Institute of Training and Tool Room of Uttar Pradesh, Lucknow.”.

[F. No. 354/84/89-TRU]

सं. 143/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 790(प्र)---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 16/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, और अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपरांत सारणी में, क्रम सं. 13 के समने, स्तंभ (3) के नीचे यी प्रविष्टि में, “चूना” शब्द के पश्चात्, “चूनापत्थर” शब्द अन्वयित किया जाएगा।

[फा. स. 354/51/90-टी आर. यू.]

NO. 143/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 790(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 16/90-Central Excises, dated the 20th March, 1990, namely :—

In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 13, in the entry under column (3), after the word “Lime”, the word “limestone” shall be inserted.

[F. No. 354/51/90-TRU]

सं. 144/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 791(अ)---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के अध्याय 27 के प्रावित गैसोलीन को, जो पेट्रोलीम और ड्रेटोलीन के विनिर्भाग में इग्नोर के निपुण ग्राहक विद्युत उत्पादन से छुट्ट देती है, जिनका पेट्रोलीम और ड्रेटोलीस के विनिर्भाग में उपयुक्त कच्चे नेप्या या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन पर 15% सेंटीप्रेड पर 60 रु. प्रति किलोलीटर की दर से संगति रकम में अधिक है।

परन्तु जहां ऐसा उपयोग विनिर्भाग के कारबाने से अन्यत दिया जाता है वहां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपर्याप्त प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :—

पेट्रोलीम और ड्रेटोलीस के विनिर्भाग में उपयुक्त कच्चे नेप्या या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन की मात्रा की संगति उत्पादों के विनिर्भाग के कारबाने द्वारा प्राप्त कच्चे नेप्या प्राकृतिक गैसोलीन की मात्रा में से किसी कारबाने द्वारा किसी ऐसी परिकरणी वो जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 140 के उपनियम (2) के अधीन उस रूप में घोषित की जाती है, वापस किए गये कच्चे नेप्या या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन या उनके मिश्रण की मात्रा को घटा कर की जाएगी।

[सं. 332/94/89-टी आर. यू.]

आर. के. महानग, अवर सचिव

NO. 144/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central

Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw naphtha and natural gasoline liquified falling within Chapter 27 of the Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and intended for use in the manufacture of pentanes and heptanes from so much of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of Rs. 60 per kilolitre at 15° C. on the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified consumed in the manufacture of pentanes and heptanes :

Provided where such use is elsewhere than in the factory of manufacture, the procedure set out in

Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 shall be followed.

Explanation :

The amount of raw naphtha or natural gasoline liquified consumed in the manufacture of pentanes and heptanes shall be calculated by subtracting from the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified received by the factory manufacturing the products, the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified or a mixture thereof returned by a factory to a refinery, declared as such under sub-rule (2) of rule 140 of the Central Excise Rules 1944.

[F. No. 332/94/89-TRU]
R. K. MAHAJAN. Under Secy.

